मुरली मनोहर गोव ंद गगररधर ललररक्स

मुरली मनोहर गोव ंद गगररधर ललररक्स
मुरली मनोहर गोव ंद गगररधर
नममम कृष्णम् नममम कृष्णम्
ये कृष्ण प्रेमी कहे ननरिंतर
नममम कृष्णम् नममम कृष्णम्
राजी लोचन अती सुंदर
राजी लोचन अती सुंदर
नममम कृष्णम् नममम कृष्णम्
मुरली मनोहर गोव ंद गगररधर
नममम कृष्णम् नममम कृष्णम्
दीन जनों की आस तुमहीं हो
भक्तों का व श् ास तुमहीं हो
योगी सार्थक आराधक के
अिंतर का आभास तुमहीं हो
अिंतर का आभास तुमहीं हो
है सृष्ंि सारी तुमहीं पे ननभथर
है सृष्ंि सारी तुमहीं पे ननभथर
नममम कृष्णम् नममम कृष्णम्
मुरली मनोहर गोव ंद गगररधर
नममम कृष्णम् नममम कृष्णम्
भजो रे मन हरी हरी मोहन मुरारी
भजो रे मन हरी हरी मोहन मुरारी
मोहन मुरारी गोव ंद गगररधारी
गोव ंद गगररधारी सकल दुुःख हारी
ए भजो रे मन हरी हरी मोहन मुरारी
भजो रे मन हरी हरी कृष्ण मुरारी
गोव ंद अनमोल है गोपाल अनमोल

हरी हरी बोल
हरी भष्क्त रस केप्यासे तु भष्क्त रस तो घोल
हरी हरी बोल
मोहन को देखना है तो अिंतर केनैन खोल
हरी हरी बोल
बबकते हैं दीनानार् प्रेम भा ना केमोल
हरी हरी बोल
हरी हरी बोल
समझ ना आए हमको
समझ ना आए गूढ़ बातें तुमहारी
एक साँ रे सलोने केहम हैं पुजारी
एक ब्राह्मण केछोरे से हुई है अपनी यारी

कृष्ण मुरारी हो कृष्ण मुरारी
कृष्ण मुरारी मेरा कृष्ण मुरारी
ए भजो रे मन हरी हरी कृष्ण मुरारी
सब भजो रे मन हरी हरी कृष्ण मुरारी
हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे हरे
हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे हरे
हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे हरे
हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे हरे
हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे हरे
हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे हरे
कृष्णा कृष्णा कृष्णा कृष्णा कृष्णा कृष्णा
कृष्णा कृष्णा कृष्णा कृष्णा कृष्णा कृष्णा
ए भजो रे मन हरी हरी कृष्ण मुरारी
ए भजो रे मन हरी हरी कृष्ण मुरारी

रे कृष्णा हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे हरे
हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे हरे
हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे हरे
हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे हरे
हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे हरे
हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे हरे
कृष्णा कृष्णा कृष्णा कृष्णा कृष्णा कृष्णा
कृष्णा कृष्णा कृष्णा कृष्णा कृष्णा कृष्णा